एडेलवीस
विचारों का सृजन, मूल्यों की रक्षा

कांफ्रेंस कॉल ट्रांसक्रिप्ट

पावर फाइनेंस कारपोरेशन

वर्ष 2010 की तीसरी तिमाही के परिणाम

29 जनवरी 2010 सांयकाल 5:30 भा.मा.सं.

कारपोरेट प्रतिभागी

श्री सतनाम सिंह

पावर फाइनेंस कारपोरेशन – अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

वर्ष 2010 की तीसरी तिमाही के परिणाम। कांफ्रेंस कॉल

प्रश्न एवं उत्तर

संचालक: देवियो एवं सज्जनो, नमस्कार एवं एडेलवीस सिक्योरिटीज लिमिटेड द्वारा आयोजित पावर फाइनेंस कारपोरेशन की वित्त वर्ष 2010 की तीसरी तिमाही अर्जन सम्मेलन आह्वान में आपका स्वागत है। एक स्मरण-पत्र के रूप में, कांफ्रेंस कॉल के दौरान सभी सहभागियों की लानें लिसन – ओनली मोड में होंगी। आज के प्रस्तुतीकरण की समाप्ति पर आपको प्रश्न पूछने के लिए एक अवसर होगा। यदि आपको सम्मेलन के दौरान सहायता की आवश्यकता है, कृपया अपने फोन पर ''*'' और फिर ''0'' दबाकर संचालक को संकेत दें। कृपया नोट करें कि यह सम्मेलन रिकार्ड किया जा रहा है, इस समय पर, मैं सम्मेलन की आगे की कार्रवाई एडेलवीस सिक्योरिटीज लिमिटेड से श्री कुनाल शाह को सौंपना चाहूँगा, आपको धन्यवाद एवं...

कुनाल शाह: आपको धन्यवाद, आप सभी को नमस्कार। मैं एडेलवीस सिक्योरिटीज लिमिटेड से कुनाल शाह हूँ। हमारे साथ अपने वित्त वर्ष 2010 की तीसरी तिमाही अर्जन पर चर्चा करने के लिए पावर फाइनेंस कारपोरेशन के अध्यक्ष एवं प्रबंधन निदेशक श्री सतनाम सिंह उपस्थित हैं। कंपनी के अंतर्गत, हाल की प्रगति द्वारा अनुसरित, ऊर्जा क्षेत्र के सामान्य सकारात्मक पहलुओं के साथ प्रारंभ करूँगा एवं तब हम व्यापार/कारोबार का सूत्रपात करेंगे। पहला कदम, जिन्हें हमने इस तिमाही के लिए संख्याओं पर आपके साथ चर्चा करने से पूर्व एवं उसके एक परिणाम के रूप में हमारी स्थिति वित्तीय वर्ष 2010 के प्रथम नौ महीनों के लिए क्या है। अत: ऊर्जा क्षेत्र की रचनात्मकता के संदर्भ में प्रथम बात यह है कि सरकार एक राष्ट्रीय सौर योजना लेकर आई है। जिसके अनुसार सौर परियोजना के अंतर्गत 2010 तक 1000 मेगावाट क्षमता एवं 2020 तक 20,000 मेगावाट जुड़ने/संयोजित होने जा रही है। अब सौर परियोजनाओं में, एक मुद्दा प्रयोग में लाया जाना है कि कोई भी इस ऊर्जा को कैसे क्रय करेगा, परंतु तब ढांचा इस प्रकार का है कि संपूर्ण सौर ऊर्जा एनटीपीसी द्वारा खरीदी जाने वाली है, एनटीपीसी के साथ गैर आबंटित ऊर्जा के साथ मिश्रित, जो लगभग उनकी परियोजनाओं की क्षमता के 18 प्रतिशत है, उन्होंने

जो कुछ भी अधिकृत किया हो, अतः वे एक इकाई सौर ऊर्जा चार इकाइयां सहित गैर-आबंटित ऊर्जा बिक्रय करेंगे जिसके साथ औसत सूची 5 रूपए से 6 रूपए की सीमा में गण्ना की जाएंगी। जो एक बहुत सुखद टैरिफ/सूची है जिस पर यह ऊर्जा बेजा जा सकती है। अतः सौर परियोजनाओं की संभावना अब और बढ गयी है एवं इसलिए हमारे व्यापार अवसर भी बढ़ गए हैं। इस प्रकार, व्यापार सीमाएं आई सी ई आर सी ने पहले ही व्यापार सीमाएं जारी कर दी हैं। उन्होंने इसे 4 पैसे से बढ़ाकर 7 पैसे कर दिया है एवं लंबी अवधि संविदाओं को इस सीमा से मुक्त कर दिया गया है ताकि यह अन्वेषक उत्पादों को एवं संविदाओं को सुगत बनाता है। अतः इस परिदृश्य के अंतर्गत, ऊर्जा के व्यापार का उच्चतर स्तर घटा होगा। यह ऊर्जा क्षेत्र के संपूर्ण हित में होगा साथ ही जैसे कि आप जानते हैं जहां कहीं हमने ऊर्जा विनमय में एक अंश (इक्विटी) के रूप में निवेश किया है, यह उन क्षेत्रों में जैसे राष्ट्रीय ऊर्जा विनिमय एवं पार एक्सचेंज इंडिया को भी एक प्रोत्साहन देगा। मेगा पावर नीति में आंशिक परिवर्तन के साथ, देशी ऊर्जा उपकरण निर्माण को प्रोस्ताहन देने के लिए प्रक्रियाओं को सरलीकृत किया गया है। अतः यह एक तीव्रतर तरीके से ऊर्जा परियोजनाओं को प्रारम्भ करने के लिए लोगों के लिए एक प्रोत्साहन भी प्रदान करेगा क्योंकि अधिकतर संख्या में ऊर्जा परियोजनाओं को अब मेगा पावर पॉलिसी लाभों को अतीत की तुलना में प्राप्त करना चाहिए। अधिकतर परियोजनाओं को मेगा पावर नीति लाभ प्राप्त होना यह ऊर्जा परियोजनाओं के मूल्यांकन के लिए एक अच्छी बात है क्योंकि अतीत की तुलना करने पर दायित्व अधिक अच्छा होगा। अब कंपनी के अंतर्गत वर्तमान प्रगतियों पर चर्चा करेंगे, भारतीय ऊर्जा क्षेत्र के प्रमुख मुद्दे कुल तकनीकी एवं वाणिज्यिक हानियों का उच्च स्तर था। मैं अब से आगे हानियों का विवरण दूँगा। यह उसके लिए एक तकनीकी शब्द है। यद्यपि भारत सरकार के प्रलोभन जिसने प्रत्याशित उद्यम की मांग कर रहे एपीडीआपी प्रवाह को पुनर्गठित किया गया है, हम उन्नति पर आधारित बहुत आशावान हैं, जिसे हमने पिछले एक वर्ष में स्वयं निर्मित किया है। वहां 30,000 से अधिक जनसंख्या वाले 1400 कस्बे/शहर इस योजना के अंतर्गत शामिल किए जाने वाले हैं। हमने पहले ही भाग क, स्वीकृत कर दिया है, वह है, स्टेट ऑफ दी आर्ट सूचना प्रौद्योगिकी का प्रयोग कर आधार लाइन डेटा प्रतिष्ठान परियोजना। कस्बों/शहरों का 95

प्रतिशत के लिए ऋण पहले ही स्वीकृत कर दिया गया है एवं योजना भलीभांति उन्नति कर रही है। यहां मैं आपके साथ सहभागिता करना चाहूँगा कि इस प्रक्रिया में क्या घटित हुआ है कि मूल प्राक्कलन यह था कि इस भाग क की योजनाओं पर हमें आईएनआर 10,000 करोड़ के लगभग व्यय करने की आवश्यकता है, परंतु प्रतियोगी नीलामी ढांचे के साथ हमने राज्यों को प्रस्तावित किया है। अब उलपब्ध संकेतों के अनुसार सकल लागत में एक 30 प्रतिशत की बचत की गई है। अत: विचार है कि एपीडीआरडी का संपूर्ण ढांचा/संरचना पूर्ण किया जाए एवं योजना में मूल रूप से शामिल की गई राशि जो आईएनआर 52,000 करोड़ इसी के समान है इसी क्रम में आगे बढ़ाया जाएगा। भारत सरकार का दूसरा प्रमुख प्रलोभन अति मेगा पावर परियोजना थीं और हमें वहां अत्यधिक संशय सुनाई दिए कि नई अल्ट्रा मेगा पावर परियोजनाओं का क्या होगा। आपसे सहभागिता करते हुए मुझे प्रसन्नता है कि इस संदर्भ में पर्याप्त प्रगति कर ली गई है। छत्तीसगढ़ अल्ट्रा मेगा पावर परियोजना के संबंध में हम आरएफक्यू जारी करने के लिए तैयार हैं। हम मानक नीलामी दस्तावेजों की स्वीकृति की प्रतीक्षा कर रहे हैं। मानक नीलामी दस्तावेज अतीत में हमारे अनुभवों के आधार पर आंशिक रूप से परिवर्तित किए जाने थे अत: एक बार यह पूरा कर लिया जाता है, हम इसे जारी करने के लिए तैयार है एवं अति अपेक्षित रूप से यह स्वयं इस तिमाही में जारी कर दिया जाएगा। समान रूप से, उड़ीसा अल्ट्रा मेगा पावर परियोजना, एक मात्र ऐसी पावर परियोजना है जिसके लिए धारा 4 के अंतर्गत अधिसूचना जारी कर आरएफक्यू जारी किए जा सकते हैं और इसमें लगभग 40 60 दिन का समय लग सकता है। जहां हमने प्रगति की है एवं वहां एक अध्ययन किया जाना शेष है, जिसमें लगभग दो से तीन माह का समय लग सकता है एवं उसके बाद एक बार पर्यावरण समिति इसे आधिकारिक अनुमति दे देती है, हम तमिलनाडु यूएमपीपी के लिए आरएफक्यू जारी करने के लिए तैयार है। अत: जो कुछ भी जानकारी मैं आपको दे रहा हूँ यह है कि अगले उसे छ: माह में, हम तीन यूएमपीपी के लिए आरएफक्यू जारी करने की स्थिति में होगें एवं आरएफक्यू के जारी होने की तिथि से जैसा कि आप जानते हैं इन अल्ट्रा पावर परियोजना का अधिनिर्णय करने के लिए यह नौ महीनों प्रक्रिया है। अत: इन तीनों परियोजनाओं का अधिनिर्णय वित्तीय वर्ष 2010 11 में

हो सकेंगे, कंपनी के लिए एक विशाल गैर ब्याज आय में परिणति होगी क्योंकि हम इन दिनों अल्ट्रा मेगा पावर परियोजनाओं के लिए आईएनआर 50 करोड़ वसूल रहे हैं। अत: वह है। स्वतंत्र प्रसारण परियोजनाएं अर्थात प्रसारम्म योजनाओं को अल्ट्रा मेगा पावर परियोजना की परंपरा पर रखा जा रहा है, इमने पहले ही प्रथम प्रसारण परियोजना के लिए ईस्ट नार्थ इंटरकनैक्शन लि. को एलओआई जारी कर दिया है एवं बहुत शीघ्र ही प्रत्याशित एसपीवी हस्तांतरण करेंगे। हमें दो और अधिक अंतर्राज्यीय प्रसारण परियोजनाएं दी गई हैं एवं इनके लिए आरएफक्यू वित्तीय वर्ष 2010 11 के प्रारंभ में जारी किए जाएंगे। फिर संसाधन बटोरने के लिए अंतर्राष्ट्रीय बाजार, जैसा आप जानते हैं कि पिछले लगभग दो वर्षों से हमने संसाधनों के लिए हमने अंतर्राष्ट्रीय बाजार को दस्तक नहीं दी है क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय बाजार प्रतियोगी दरों को प्रस्तुत नहीं करते। अब बाजार आसपास आ गया है एवं हम वित्तीय वर्ष 2010 के इस चतुर्थ तिमाही में लगभग 300 मिलियन अमेरिकी डालर बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। हम अपने लिए भारतीय स्टेट बैंक को कोष वृद्धि/धन संग्रह करने वाले बैंक के रूप में नियुक्त करने जा रहे हैं एवं हम इसे मार्च 2010 से पूर्व गठित करने जा रहे हैं। नए व्यापार क्षेत्रों में आने से पूर्व मैंने आपसे सहमति बनाई थी कि हमने पावर उपकरण निर्माताओं को वित्त प्रदान करने के लिए हमने एक पृथक खिड़की खोल दी है। मैं आपसे सहभाग करने के लिए प्रसन्न हूँ कि प्रथम सौर PV पैनल निर्माता इस तिमाही 250 करोड आईएनआर का एक ऋण स्वीकृत किया जा चुका है। हम पूंजी उपकरण निर्माताओं के लिए ऋणों की स्वीकृति करने की प्रक्रिया में भी हैं। संयोजन कार्यक्रम पर न्यूक्लियर पावर परियोजनाओं को वित्त पोषण की संभावना के रूप में भी चर्चा में हैं। हम बंद कोयला खानों को वित्त पोषण के लिए अल्ट्रा मेंगा पावर परियोजनाओं के एक भाग के रूप में हमारे पास कुछ प्रस्ताव हैं। यदि कोई हमसे बंद कोयला को एक पृथम कंपनी के रूप में रख कर वित्तीय सहायता वृद्धि करना चाहता है तो ऐसी वित्त पोषण परियोजना के लिए भी हमारे द्वार खुले हैं। जहां तक हमारा व्यापार वैश्विक क्षेत्र वित्त पोषण में, मैंने आपसे सहभागिता की कि हम प्रथम पड़ोसी देशों से प्रारंभ करेंगे। जीएमआर नेपाल में एक हाइड्रो (जल विद्युत) परियोजना स्थापित कर रहा है, जिसे हम स्वीकृति के लिए विचार कर रहे हैं। वास्तव में चूंकि यह पहली बार होगा कि

वर्ष 2010 की तीसरी तिमाही के परिणाम। कांफ्रेंस कॉल

हमें वास्तव में स्वीकृति के लिए इस परियोजना को महत्वपूर्ण तथ्यों को ग्रहण करने से पूर्व व्यवस्थित करना होगा। जबकि अल्ट्रा मेगा पावर परियोजना के संबंध में एवं प्रसारण परियोजनाओं के मामले में हमने मानक दस्तावेज के आरेखन (डिजाइनिंग) में प्रमुख भूमिका निभायी है। हमने मार्गदर्शिका तैयार करने के लिए एक परामर्शदाता कार्यभार एवं वैश्विक क्षेत्र में पावर परियोजना की नीलामी पर आधारित टैरिफ (सूची) के लिए मानक नीलामी दस्तावेजों के रूप में भी प्राप्त किया है एवं यह वास्तव में गैर परंपरागत ऊर्जा मंत्रालय का प्रमुख कार्य है परंतु हमने एक परामर्शदायी कार्यभार के कुछ नियुक्तियां (कार्यभार) प्राप्त कर लिए हैं। अन्य प्रगतियां, जो कंपनी में हुई हैं, हमें संपूर्ण कंपनी के लिए आईएसओ 9001:2008 (भारतीय मानक संगठन) प्रमाणन दिए गए हैं, पूर्व में हमने विभिन्न प्रभागों के लिए विस्तार किया था, अब हमने इसे सकल कंपनी के लिए प्राप्त कर लिया है। यह गुणात्मक सेवा उपलब्ध कराने के लिए हमारी प्रतिबद्धता पर एक प्रतिबिंब है। हमने इनर्जी एफिसिऐंसी सर्विसेज लिमिटेड में एक इक्विटी धारक के रूप में भागीदारी करने का निर्णय किया है। पीएफसी, आरईसी, एनटीपीसी एवं पीजीसीआईएल द्वारा निर्मित एक नई कंपनी एवं 25 प्रतिशत दावे के साथ हमारे पास संयुक्त उद्यम साझेदारी है एवं इस इनर्जी एफिसिऐंसी कंपनी की भूमि ईएससीओएस के लिए वित्तीय सहायता विस्तार के लिए होगी, अर्थात इनर्जी सर्विस कंपनियां परामर्श उपलब्ध कराने एवं भविष्य के लिए एक संसाधन केंद्र बनेंगी। परिदृश्य प्रदान किया गया है कि निजी क्षेत्र द्वारा 11वीं एवं 12वीं पंचवर्षीय योजना में वृद्धि संबंधी क्षमता पुनरावृत्ति (परिशोधन) ऊपर जा रहा होगा। यह निजी क्षेत्र द्वारा 11वीं पंचवर्षीय योजना में 28 प्रतिशत एवं 12वीं पंचवर्षीय योजना में निजी क्षेत्र क्षरा 63 प्रतिशत है एवं तथ्य यह भी है कि राज्य/सरकारी क्षेत्र कंपनियों की ऊर्जा उत्पादन करने वाली कंपनियां प्रतियोगात्मक निलामी मार्गदर्शनों पर आधारित नई परियोजनाओं पर जनवरी 2011 से दायित्व लेनी भी शामिल करेंगी। हमने विचार किया कि हम सरकारी क्षेत्र एवं समान रूप से निजी क्षेत्र में जिस पर भविष्य में परिदृश्य होने जा रहा है यंत्रों/उपकरणों को अद्यतन करेंगे। हमने पहले ही गंगटोक में एक बैठक कर चुके हैं, जहां हमने भावी परिदृश्य क्या होने जा रहा है एवं किस प्रकार वे स्वयं भविष्य की चुनौतियों विशेषत: प्रतियोगी नीलामियों का सामना करने के लिए तैयार

वर्ष 2010 की तीसरी तिमाही के परिणाम। कांफ्रेंस कॉल

होने जा रहे हैं जैसे मुद्दों पर सरकारी ऊर्जा उपयोगिताओं का मूल्यांकन किया एवं हमने सरकारी/राज्य ऊर्जा उपयोगिताओं के लिए भविष्य में प्रतियोगिता संभालने योग्य होने के लिए उनको सुसज्जित करने के लिए अपनी परामर्शदायी सेवाएं प्रस्तावित की हैं। समान रूप से, हम एक आईपीपी बैठक शीघ्र आयोजित करने जा रहे हैं, जिसमें हम परिदृश्य क्या होने जा रहा है एवं किस प्रकार पीएफसी परिदृश्य में परिवर्तन पर निर्भर करते हुए आगे जाते हुए उनकी सहायता करने जा रहा है का मूल्यांकन करेंगे एवं अंतिम रूप से मैंने विचार किया जो पुरस्कार हम प्राप्त कर चुके हैं उसकी भागीदारी/सहभागिता करना चाहिए। हमें वर्ष 2007 08 में अति असाधारण प्रदर्शन के लिए प्रधान मंत्री से एमओयू उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त हो चुका है। हमें पीएसयूएस के मध्य उत्कृष्टता के लिए एनबीसीसी स्वर्ण श्रेणी में इंडिया प्राइड प्राप्त हुआ है एवं शोधात्मक/नव परिवर्तनकारी वित्त पोषण श्रेणी के लिए इंडिया पावर पुरस्कार भी मिला है। इसके साथ मैं, अब नौ माहों की अवधि सहित तिमाही के लिए संख्याओं पर आता हूँ। मैं प्रथम तिमाही के बारे में बोलूँगा एवं तदनुसार मैं नौ माह अवधि के बारे में भी कहूँगा। सकल आय में वृद्धि के लिए मुख्य कारक परिसंपत्ति वृद्धि है। पूर्व वर्ष की समान तिमाही की तुलना में हमारी परिसंपत्ति वृद्धि तीसरी तिमाही में 20 प्रतिशत से बढ़कर आईएनआर 60,000 करोड़ से आईएनआर 72,000 करोड़ तक ऊपर चली गई है एवं वास्तव में नौ माह की अवधि में ये राशियां यथास्थिति बनी रहती हैं। जिसके परिणामस्वरूप, हमारी सकल आय 18 प्रतिशत तक बढ़ी हैं। जैसा आप जानते हैं सकल आय, हमारी परिसंपत्तियां 20 प्रतिशत तक बढ़ी है, सकल आय में 18 प्रतिशत की वृद्धि का तात्पर्य कि ब्याज की दर में कुछ कटौतियां हुई हैं, जो इस प्रकार की प्रतिशतता वृद्धि में परिणित हुई हैं। नहीं तो, उन्हें समान रूप से वृद्धि करनी चाहिए एवं नौ माह की अवधि के लिए सकल आय 25 प्रतिशत तक ऊपर पहुंच गई हैं। सकल आय में वृद्धि के परिणामस्वरूप, तिमाही तक कर पश्चात हमारा लाभ वित्त वर्ष 2009 की तीसरी तिमाही में आईएनआर 339 करोड से आईएनआर 564 करोड़ बढ़ी है जो 66 प्रतिशत बढ़ी है। यह वृद्धि पूर्व वर्ष के आईएनआर 965 करोड़ से प्रथम नौ माह में आईएनआर 1,756 करोड़ तक हुई है यह वस्तुतः एक सामान्य निश्चित अतिविशिष्ट मदों के परिणामस्वरूप 86 प्रतिशत तक की वृद्धि की हुई है, परंतु यदि हम उन्हें बाहर लेते हैं

वर्ष 2010 की तीसरी तिमाही के परिणाम। कांफ्रेंस कॉल

कर के पश्चात तुलनात्मक पीएटी लाभ आईएनआर 408 करोड़ से आईएनआर 542 करोड़ बढ गया है, जो 33 प्रतिशत अधिक है एवं संचित नौ माह के लिए आईएनआर 1,168 करोड़ से 1,594 करोड हो गया है जो 35 प्रतिशत अधिक है। भुगतान तीसरी तिमाही में आईएनआर 4,277 करोड़ से बढ़कर आईएनआर 6,493 करोड़ हुआ है जो 52 प्रतिशत बढ़ा है। जैसा कि आप जानते हैं कि जब मैं पहली छमाही का डाटा (आंकड़ा) प्रस्तुत कर रहा था वहां कुछ ऋणात्मक रिक्तता थी क्योंकि पूर्व वर्ष पहली छःमाही में हमने उत्कृष्ट किया था, परंतु तब आधारभूत राशि के बढ़ने पर हमारी प्रतिशतता वृद्धि वहां तक नहीं थी। वास्तव में, यह पहली छमाही में ऋणात्मक था, परंतु पूर्व वर्ष से तीसरी तिमाही में 52 प्रतिशत वृद्धि करते हुए 31 दिसबंर 2009 तक पिछले वर्ष से 9 प्रतिशत अधिक है। परंतु जैसा आप जानते हैं विशिष्ट स्वीकृतियां मुख्य कारक हैं। विशिष्ट/शेष स्वीकृतियां तिमाही समाप्ति में एवं तिमाही के लिए पूर्व वर्ष आईएनआर 1,16,000 करोड की तुलना में आईएनआर 1,25,000 करोड़ थीं। अब वर्ष के लिए स्वीकृतियां तिमाही एवं वर्ष के लिए तुलनात्मक रूप से निम्नतर हैं, तिमाही के लिए राशियां ऋणात्मक 69 प्रतिशत (69 प्रतिशत) आईएनआर 13,800 करोड़ के विपरीत यह 4,247 करोड़ हैं; पूरे नौ माह के लिए, यह आईएनआर 43,000 करोड़, आईएनआर 39,000 करोड़ जहां तक स्वीकृतियों का संबंध है, परंतु यहां भी यह चिंता का कारण नहीं है, यह इसलिए क्योंकि हमारे मार्ग मानचित्र का मुद्दा/प्रकरण विवेकसम्मत मानकों की नियमित वृद्धि पर गई है, यह एक प्रश्न है जिस पर हम चर्चा के अधीन हैं एवं उसे विचाराधीन रखते हुए हमने उन स्वीकृतियों को जारी नहीं किया है, जो लगभग आईएनआर 1,000 करोड़ मूल्य का है, एवं आईएनआर 12,000 करोड़ तक होने को है एवं मुद्दा 3 फरवरी में समाधान होना प्रत्याशित है जिसके पश्चात हम इन स्वीकृति पत्रों को जारी कर रहे होंगे एवं ये राशियां नाटकीय परिवर्तनों से गुजरेंगी ऋणात्मक धनात्मक राशियों में परिवर्तन प्राप्त करेंगे। इसके आधार पर, मैं अब लाभ लागत विस्तार एवं एनआईएम डाटा पर सहभागिता करूँगा। तीसरी तिमाही में 25 आधार बिंदुओं का लाभ द्वारा हम ब्याज दर की कटौती कर चुके थे यद्यपि कोई भी बाजार को एक दिशा नहीं देना चाहते थे। लाभ 16 आधार बिंदुओं द्वारा नीचे चला गया है यद्यपि पिछले वर्ष की तुलना में सकल वर्ष 33 आधार बिंदुओं का

लाभ हुआ है जो तीसरी तिमाही में कोषों की लागत में एक अच्छा संकेत है। 70 आधार बिंदुओं 9.27 प्रतिशत से 8.57 प्रतिशत तक का नुकसान हुआ है यद्यपि सकल लागत प्रथम नौ माह के लिए केवल 24 आधार बिंदुओं द्वारा निम्नतम है। इसके परिणामस्वरूप कोषों की लागत एवं लाभ हमारा विस्तार तीसरी तिमाही में 54 आधार बिंदुओं तक बढ़ा हैं एवं सकल वार्षिक रूप से 56 आधार बिंदु है। एनआईएम वास्तव में एक आश्रित कारक है, जो पूँजी पर्याप्तता पर निर्भर है एवं वहां चूँकि हमारी पूँजी पर्याप्तता उच्चतर है यहां तक कि हमारा एनआईएम 42 आधार बिंदुओं 3.75 प्रतिशत से 4.17 बढ़ा है। नौ माह की अवधि के लिए यह 3.79 प्रतिशत है एवं 42 आधार बिंदुओं के साथ बढ़ते यह अब 4.20 प्रतिशत है एवं अंतिम रूप से औसत शुद्ध लाभ पर व्यापार लाभ तिमाही के लिए 14.38 प्रतिशत से 18.51 प्रतिशत एवं नौ माह की अवधि के लिए 14.08 प्रतिशत से 20.15 प्रतिशत ऊपर चला गया है एवं उसके परिणामस्वरूप ईपीएस आईएनआर 11.81 से आईएनआर 19.65 जो 66 प्रतिशत अधिक है एवं सकल नौ माह की अवधि में आईएनआर 11.21 से आईएनआर 20.41, जो 82 प्रतिशत अधिक है पिछले वित्तीय-वर्ष के नौ माह की तुलना में बढ़ गया है। दिसबंर 2009 की गणना में पूँजी पर्याप्तता 17.63 प्रतिशत आकर्षक सुखद रही है। इन सभी पर मैंने विचार किया कि मैं आपके साथ साझा करूँगा। अग्रिम कार्रवाई कुनाल को सौंपता हूँ। आपको धन्यवाद।

कुनाल शाह: हां, हम प्रश्न एवं उत्तर सत्र का प्रारंभ कर सकते हैं।

संचालक: आपको बहुत-बहुत धन्यवाद। अब हम प्रश्न एवं उत्तर सत्र प्रारंभ करें। कोई एक जो एक प्रश्न पूछना चाहता है अपने टच टोन टेलीफोन पर ''*'' एवं ''1'' दबा सकते हैं। यदि आप स्वयं को प्रश्न पंक्ति से अलग रखना चाहते हैं आप ''2'' दबा सकते हैं। सहभागियों से हैंडसेटों के प्रयोग करने का अनुरोध है, जब वे प्रश्न पूछ रहे हों। कोई एक जिसके पास प्रश्न है इस समय ''*'' व ''1'' दबा सकते हैं। प्रथम प्रश्न पंक्ति से श्री राजेश कोठारी की ओर से है। कृपया आगे बढ़े श्रीमान।

वर्ष 2010 की तीसरी तिमाही के परिणाम। कांफ्रेंस कॉल

राजेश कोठारी: हैलो श्रीमान जी, आप कैसे हैं? इस तरफ से राजेश कोठारी हैं।

श्री सतनाम सिंह: हैलो राजेश, धन्यवाद।

राजेश कोठारी: मेरी ओर से केवल दो प्रश्न हैं, वित्त वर्ष 2010 पूरे वर्ष एवं वित्त वर्ष 2011 पूरे वर्ष के लिए आप किस प्रकार के ऋण स्वीकृतियों एवं भुगतान वृद्धि देख रहे हैं?

श्री सतनाम सिंह: वित्त वर्ष 2011, मैं इस समय इस बिंदु पर कुछ भी नहीं कहने की स्थिति में नहीं हूँ, परंतु वर्तमान में वित्त वर्ष 2010 में हम 20 प्रतिशत पर हैं। आशाजनक रूप से, सामान्यतया हम चौथी तिमाही में गतिवर्धन/त्वरण करेंगे तो यह 20 प्रतिशत से 25 प्रतिशत के बीच हो सकता है।

राजेश कोठारी: बिल्कुल ठीक, और आप जानते हैं, आपने अपने प्रस्तुतीकरण में उल्लेख किया था कि इसमें अन्य आय सम्मिलित है, एवं यह कि परामर्श आय एवं इसी प्रकार अन्य आय क्या है जिसे हमने नौ माह में वित्त वर्ष 2010 के लिए आरक्षित किया है?

श्री सतनाम सिंह: मैं सोचता हूँ परामर्श सेवा आय अन्य आय के लिए आईएनआर 9 से 8 करोड़ है, एक मिनट ठहरिए, प्रथम नौ माह के लिए अन्य आय आईएनआर 99 करोड़ है, आईएनआर 15 करोड़ है।

राजेश कोठारी: परामर्श आय आईएनआर 15 करोड़ है।

श्री सतनाम सिंह: हाँ।

राजेश कोठारी: श्रीमान जी, उसे पहले ही... मैं जो समझने का प्रयास कर रहा हूँ कि क्या परिणाम पक्के परिणाम हैं, या स्वतंत्र परिणाम हैं है?

श्री सतनाम सिंह: से स्वतंत्र हैं। परामर्श हम अतिरिक्त सूचना दे रहे हैं।

वर्ष 2010 की तीसरी तिमाही के परिणाम। कांफ्रेंस कॉल

राजेश कोठारी: सामान्य पीएफसी लाभ के अलावा इस प्रकार आईएनआर 15 करोड़ है; यह सत्य है?

श्री सतनाम सिंह: वह सही है।

राजेश कोठारी: बिल्कुल ठीक एवं अंतिम, और आप जानते हैं, आपके पास बिजनेस एपीडीआरपी योजना के प्रसारण पक्ष के बारे में चर्चा के दावे थे। श्रीमान क्या आप अभी अंतिम रूप से हमें बता सकते है कि पीएफसी की शुल्क आधारित आय की शर्त में कुल विस्तार क्या है?

श्री सतनाम सिंह: ठीक यह ऊर्जा मंत्रालय के साथ अभी तक चर्चा के अंतर्गत है परंतु यह स्वीकृत राशि का लगभग 1 प्रतिशत होगा जो यदि हम वर्तमान आकलन द्वारा पीछे चलते हैं है, आईएनआर 52,000 करोड़ की 1 प्रतिशत स्वीकृति की आईएनआर 500 करोड़ या इसी प्रकार होगी। परंतु जैसा आप जानते हैं कि भाग-क में, स्वयं जो स्वीकृत की जाएगी हमने 30 प्रतिशत बचत की है। अतः शुल्क आधारित आय भी तदनुसार नीचे जाएगी। हम नहीं कह सकते, परंतु यह संपूर्ण मूल्य होगा परंतु यह स्वीकृत राशि के 1 प्रतिशत की समी में होगी।

राजेश कोठारी: ठीक है श्रीमान, आपको धन्यवाद।

श्री सतनाम सिंह: आपको बहुत धन्यवाद।

संचालक: श्री कोठारी, आपको धन्यवाद, अगला प्रश्न असित सी. मेहता से दीप्ति चौहान की पंक्ति से है। कृपया आगे आएं।

दीप्ति चौहान: श्रीमान जी मेरा केवल एक प्रश्न है, मैं जानना चाहती हूँ कि ऋणों का अनुपात कितना है, जिन्हें वित्त वर्ष 2010 में पुर्नस्थापित किया जाना है एवं अभी तक कितना आपने किया है?

वर्ष 2010 की तीसरी तिमाही के परिणाम। कांफ्रेंस कॉल

श्री सतनाम सिंह: जरा एक मिनट, कुल राशि जो 2009-2010 में पुर्नस्थापित होने जा रहा है आईएनआर 9,500 करोड के लगभग है एवं जो पुर्नस्थापित होने के लिए बचा है परंतु जनवरी 2015 से पहले ही समाप्त है। अतः आईएनआर7269 करोड़ प्रथम नौ माह तक किया जा चुका है एवं यह दूसरा लगभग आईएनआर 2300 करोड़ होगा जो इस तिमाही में किया जाएगा।

दीप्ति चौहान: श्रीमान जी, जो ऋण वास्तव में भुगतान किए गए उनकी दरें क्या थीं एवं हमें इसके बदले में प्राप्त करने के स्तर क्या होंगे?

श्री सतनाम सिंह: अच्छा जहां तक ये राशियां आसानी से यह मेरे पास यहां नहीं हैं, परंतु औसत दर शुद्ध आय 7.9 करोड़ होगी, परंतु यहां सकल शुद्ध आय इस अवधि में अधिक नहीं है, यह केवल 8 करोड़ के लगभग है।

दीप्ति चौहान: बिल्कुल ठीक, मैं वास्तव में दरों के बारे में बात कर रही हूँ जिस वे पुर्नस्थापित होने जा रहे है?

श्री सतनाम सिंह: प्रथम नौ महीनों में लिए वर्तमान दर लगभग 11 है नई दर 11.75 के लगभग है एवं पुरानी दरें 11.49 रही हैं, अतः इसीलिए अंतर केवल लगभग आईएनआर 8 करोड़ है।

दीप्ति चौहान: बिल्कुल ठीक श्रीमान जी। और अंतिम प्रश्न है क्या आप मुझे परिसंपत्ति पक्ष एवं दायित्व पक्ष की परिपक्वता के साथ उपलब्ध करा सकते हैं?

श्री सतनाम सिंह: जहां तक परिसंपत्तियों का प्रश्न है यह 5.79 के लगभग है, एवं यह दायित्वों के लिए 4.55 है।

दीप्ति चौहान: बिल्कुल ठीक, आपको बहुत-बहुत धन्यवाद।

वर्ष 2010 की तीसरी तिमाही के परिणाम। कांफ्रेंस कॉल

संचालक: आपको धन्यवाद। सहभागी जो प्रश्न पूछना चाहते हैं टचफोन पर ''*'' और ''1'' दबा सकते हैं। अगला प्रश्न टौरस म्युचुअल फंड्स से श्री जयप्रकाश की पंक्ति से है। कृपया आगे आएं।

जयप्रकाश: श्रीमान जी नमस्कार। संख्याओं के एक अच्छे सेट (सम्मुचय) पर बधाइयां। श्रीमान अंतिम विश्लेषकों की बैठक पर आपने सामान्य ब्याज दरों में 2 प्रतिशत उच्चतर के लिए इक्विटी क्या है एवं यह कैसे प्रगति कर रही है?

श्री सतनाम सिंह: गंगटोक बैठक के दौरान जिसे सरकारी / राज्य क्षेत्र के एक जन उपयोगों के लिए संगठित किया गया था प्रत्येक केवल इस उत्पाद में रूचि रखता था, हमें अतिमूल्यांकित प्रत्युत्तर प्राप्त हुआ है एवं हमने सभी पावर उपयोगों को लिखा एवं पावर उपयोगिता / उपभोक्ताओं के कुछ के साथ चर्चा जारी है एवं स्वीकृति के लिए प्रस्ताव सूचित हो रहे हैं।

जयप्रकाश: बिल्कुल ठीक। क्या हम इसे निजी क्षेत्र के लिए, निजी खिलाड़ी के लिए भी कर रहे हैं?

श्री सतनाम सिंह: अभी तक योजना केवल राज्य ऊर्जा उपयोगिता के लिए है परंतु पिछले समय स्वयं मैंने सहभागिता की थी कि हमारे अनुभव के आधार पर रेखा के नीचे यह छः माह की अवधि हो सकती है, हम इसे निजी क्षेत्र परियोजनाओं के लिए भी बोर्ड की स्वीकृति पर निर्भर करते हुए कर रहे होंगे।

संचालक: श्री प्रकाश आपको धन्यवाद। अगला प्रश्न आसित सी. मेहता से दीप्ति चौहान से एक अनुवर्ती प्रश्न है। कृपया आगे आएं।

दीप्ति चौहान: श्रीमान जी, परिसंपत्ति प्रश्न पर केवल एक कार्यवाही चाहता हूँ आपने कहा कि परिपक्वता कहीं 5.99 के निकट है, केवल संज्ञान प्राप्त करने के लिए कि अधिकतम ऋण जिन्हें आपको दिया गया है उत्पादन परियोजनाओं को दिए गए हैं जो बहुत लंबी

अवधि अर्थात 10 या 15 वर्ष प्लस प्रकार के हैं। केवल जानना चाहता हूँ कि वह क्या है कि परिसंपत्ति प्रश्न के लिए मैट्रिरिटी इतनी निम्न है।

श्री सतनाम सिंह: बहुत साधारण पूर्व वर्षों से हम पावर सेक्टर (ऊर्जा क्षेत्र) वित्त पोषण कारोबार में रहे हैं एवं पहले हम 12 वर्ष पुन:अदायगी अवधि रखते थे एवं अब ताप बिजलीघर निर्माण के लिए यह अवधि 15 वर्ष छ: माह से अधिक, जल विद्युत (हाइडिल) में 20 वर्ष छ: माह निर्माण अवधि है। अत: मोटे तौर पर लगभग यह 18 वर्षों से 24 वर्ष है, परंतु ऋण पुर्नअदायबी अमोरटाइज्ड है। प्रभावित अवधि आधा है, केवल बहुत अल्प अवधि के साथ पूर्व ऋण भी कम है, अत: औसत 5.7 के करीब/लगभग आ रही है।

दीप्ति चौहान: बिल्कुल ठीक स्टष्ट, धन्यवाद।

संचालक: धन्यवाद मैडम, अगला प्रश्न आईएनजी से नेहा दबे की पंक्ति से है, कृपया आगे आएं।

नेहा दवे: हैलो, नमस्कार श्रीमान, आपने उल्लेख किया था कि विवेक सम्मत मानक पर स्पष्ट के कारण आईएनआर 12,000 करोड़ स्वीकृतियां विचाराधीन/लंबित हैं। क्या आप विवेकी मानक पर मुद्दा क्या है पर प्रकाश डाल सकते हैं?

श्री सतनाम सिंह: अभी जहां तक निजी क्षेत्र का संबंध है, हम उन्हीं मानदंडों को अपना रहे हैं जो भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा इंगित किए गए हैं, फिर भी निजी क्षेत्र के लिए चूंकि हम भारतीय रिजर्व बैंक के विवेक सम्मत मानदंडों के अनुपालन से पूर्व में मुक्त थे, अत: हमारे पास विद्युत मंत्रालय के परामर्श से राज्य क्षेत्र के लिए उत्पाद आधारित मापदंड थे और हमने भारतीय रिजर्व बैंक को भी इस संबंध में सूचित कर दिया था कि यह हमारे मानक हैं और हम इनका अनुपालन कर रहे हैं; फिर भी अभी हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक ने कहा है कि आप निजी क्षेत्र के मानकों का राज्य क्षेत्र के लिए भी अनुसरण करें। हमने उनको स्पष्ट किया है कि यह कोई विवेकपूर्ण मुद्दा नहीं है, अत: आपको इस पर

पुन: विचार करना होगा। हमारे मंत्रालय ने भारतीय रिजर्व बैंक एवं वित्त मंत्रालय के साथ आरबीआई के इस निर्णय पर पुन: विचार करने का आग्रह किया है। इस प्रकरण को हल करने के लिए अंतिम बैठक 3 फरवरी को आयोजित की जाएगी एवं हमें बहुत आशा है कि आरबीआई हमारी मांग का ध्यान रखेगा।

नेहा दवे: बिल्कुल ठीक, ध्यान आकृष्ट किया जाएगा। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

संचालक: मिस दवे, आपका धन्यवाद। अगला प्रश्न रिलायंस म्युचुअल फंड से श्रेय लूंकर का है। कृपया आगे कार्रवाई जारी रखें।

श्रेय लूंकर: नमस्कार श्रीमान जी। मैं यह केवल जानना चाहता था कि अगले वर्ष का उधारी कार्यक्रम किस प्रकार है और हम इसे कैसे संचालित करना चाहेंगे?

श्री सतनाम सिंह: ठीक है, उधारी जैसा आप जानते हैं कि हम कितने अधिक भुगतान संबंधी तथ्य आपके सामने रखने जा रहे हैं और हमें अगले वर्ष किस प्रकार की पुर्नअदायगियां प्राप्त होंगी। इस वर्ष हमारा संशाधन संगठन भुगतान के मूल लक्ष्य के 23,000 के सापेक्ष आईएनआर 21,000 से 22,000 करोड़ के आसपास है परंतु अगले वर्ष हमारा भुगतान लक्ष्य निश्चित रूप से वर्तमान वर्ष की तुलना में कम से कम 10 से 15 प्रतिशत तक अधिक होगा। तदनुसार हमारा संसाधन संगठन अग्रसर होगा जो आईएनआर 24,000 से 25,000 करोड़ के क्रम में हो सकता है, परंतु हम केवल इस बारे में तभी कुछ आंकड़े प्रस्तुत करने में सक्षम होंगे जब आगामी वर्ष के लिए समझौता ज्ञापन लक्ष्य को अंतिम रूप दिया जाएगा। इस पर मंत्रालय स्तर पर अभी विचार किया जाना है। अत: मैं इस वर्ष आईएनआर 24,000 करोड़ की सांकेतिक राशि बता रहा हूँ।

श्रेय लूंकर: मैं केवल एक और बात जानना चाहता हूँ, हम बहुत अधिक मात्रा में बांडों पर आश्रित हैं और मेरा अनुमान है कि बीमा कंपनियां और पेंशन कंपनियां उनमें से सबसे बड़ी ग्राहक हैंस, इन बीमा कंपनियों या पेंशन कंपनियों को उस समय किस प्रकार की

वर्ष 2010 की तीसरी तिमाही के परिणाम। कांफ्रेंस कॉल

अनावरण (एक्सपोजर) सीमाएं प्राप्त होती हैं जब वे पीएफसी के बांडों में निवेश का मूल्यांकन करती हैं?

श्री सतनाम सिंह: यह मानक मापदंड है जिन्हें भारतीय जीवन बीमा कंपनी दूसरे संस्थाओं के लिए भी अपना रही हैं परंतु हमने वित्त मंत्रालय एवं प्रधान मंत्री कार्यालय से पहले ही इस संबंध में आग्रह किया है कि ये मापदंड दोगुने किए जाने चाहिए। यह वास्तव में भारतीय जीवन बीमा निगम की निवेश राशि के निबल 10 प्रतिशत के बराबर है या इसमें कुछ अन्य राशियां शामिल हैं, निवेशक कंपनी के बांड, भुगतान की निबल पूँजी, निवेशक कंपनी की उधारी आदि की मानक परिभाषा हैं जिन पर दृष्टिपात कर सकते हैं परंतु हमने अनुरोध किया है कि इसे 20 प्रतिशत तक बढ़ाया जाना चाहिए। वे इस संबंध में शीघ्र ही कोई आदेश जारी करने वाले हैं।

श्रेय लूंकर: श्रीमान जी, पेंशन कंपनियों के बारे में स्थिति क्या है?

श्री सतनाम सिंह: जहां तक पेंशन कंपनियों का संबंध है, मुझे नहीं लगता है कि यहां इस प्रकार से कोई मापदंड हैं।

श्रेय लूंकर: श्रीमान जी, इस प्रकार का कोई मापदंड हैं, यदि आप केवल वैकल्पिक आधार पर अन्य उधारी लेते हैं जैसे यदि हम ऋणों की कुल राशि एवं उधारी की कुल राशि रख सकते हैं उसका शायद पुनर्मूल्यांकन किया जाएगा और उसके पुनर्भुगतान या पुनर्मूल्यांकन पर चर्चा की जाएगी। मेरा मानना है कि संबंधित आंकड़े उसी समय उपलब्ध होंगे।

श्री सतनाम सिंह: अगले वर्ष पुनर्मूल्यांकन आईएनआर 17,000 के क्रम में हो सकता है।

श्रेय लूंकर: श्रीमान जी, क्या यह परिसंपत्ति पक्ष से है या हो सकता है देनदारियों से संबंधित है?

वर्ष 2010 की तीसरी तिमाही के परिणाम। कांफ्रेंस कॉल

श्री सतनाम सिंह: देनदारी पक्ष से, संचलन देनदारियां केवल 23 प्रतिशत हैं जो आईएनआर 13,800 करोड़ के आसपास हो सकती हैं।

श्रेय लूंकर: श्रीमान जी, वास्तविक रूप से आप क्या देखते हैं, जिस तरह आपने अपने तुलनपत्र में दर्शाया है आप इसे तनावपूर्ण वातावरण में बढ़ता हुआ कैसे देख सकते हैं एवं जैसा आप जानते हैं कि माना कि हम तनावपूर्ण वातावरण में भी आगे बढ़ रहे हैं आप एनआईएम के संबंध में किस प्रकार का मार्गदर्शन करना चाहेंगे, इसकी विस्तार की सीमा क्या हो सकती है?

श्री सतनाम सिंह: ठीक है, मैं सोचता हूँ कि मैंने पूर्व में भी कई सम्मेलनों एवं निवेशकों की बैठक में यह स्पष्ट किया है कि हमारा ऋण प्रदायगी ढांचा इस प्रकार है कि हम ब्याज दरों में इतनी अधिक वृद्धि अथवा कमी (उतार-चढ़ाव) से प्रभावित नहीं होते हैं क्योंकि स्वीकृति के समय ब्याज दरों का निर्धारण नहीं करते हैं और भुगतान के उद्देश्य से स्वीकृति कम से कम 3 से 4 वर्ष के लिए प्रदान की जाती है। अतः हम कह सकते हैं कि स्वीकृत राशि पर ब्याज की दर भुगतान की तारीख के आधार पर वसूल की जाएगी और हमारी दरों के लिए भुगतान की तारीख को लागू दरों को ध्यान में रखा जाएगा। अतः हम इससे प्रभावित नहीं होते।

श्रेय लूंकर: निश्चित ही। बिल्कुल ठीक श्रीमान जी। मैं अपनी वाणी को विश्राम देता हूँ। आपका बहुत बहुत धन्यवाद।

संचालक: देर से पहुंचने वाले सभी सज्जनों के लाभार्थ मैं अपनी बात को पुनः दोहराना चाहता हूँ, सभी प्रतिभागी टचटोन फोन ''*'' और ''1'' दबाकर प्रबंधन से प्रश्न पूछ सकते हैं। अगला प्रश्न सुक्काम कैपिटल से आए श्री अरूण जैन का है। कृपया आगे कार्रवाई जारी रखें।

वर्ष 2010 की तीसरी तिमाही के परिणाम। कांफ्रेंस कॉल

श्री अरूण जैन: श्रीमान जी, मैंने एक डेटा बिंदु खोया है, आप किसी से अपनी परिसंपत्ति एवं दायित्व अवधि और निर्धारित संचलन अनुपात का उल्लेख कर रहे थे, क्या मैं उनकी संख्या पुनः जान सकता हूँ?

श्री सतनाम सिंह: हां निश्चित ही, परिसंपत्ति की भारित औसत परिपक्वता 5.79 वर्ष है एवं देनदारियों के मामले में यह 4.55 वर्ष है।

श्री अरूण जैन: श्रीमान जी, निर्धारित संचलन अनुपात क्या है?

श्री सतनाम सिंह: निर्धारित परिसंपत्तियों पर ब्याज दर 13 प्रतिशत के आसपास है, संचलन अनुपात 87 प्रतिशत है एवं वास्तव में उस राशि में हम केवल तीन वर्षीय एवं दस वर्षीय पुर्नस्थापना सम्मिलित कर रहे हैं एवं 1 प्रतिशत का वास्तविक संचलन शामिल है। जहां तक देनदारियों का संबंध है, यह 23 प्रतिशत संचलन अनुपात 77 प्रतिशत है।

श्री अरूण जैन: श्रीमान जी, हम कुछ विनिर्माण कंपनियों के परिणामों के बारे में सुन रहे थे, उनकी कुछ कार्यान्वयन अवधि का ह्रास हुआ एवं वहां जो बिलंब हुआ है वह विशिष्ट रूप से वह ऊजा तहत अन्य विनिर्माण से संबंधित थीं। क्या हम आपसे पर्यावरण से संबंधित अद्यतन जानकारी प्राप्त कर सकते हैं कि इसकी कार्यान्वयन पक्ष में क्या हो रहा है?

श्री सतनाम सिंह: ठीक है, यदि आप भारत सरकार की सकल क्षमता निर्माण कार्यक्रम पर नजर डालेंगे जो मूलरूप से 78,700 करोड़ से नियोजित है और इसमें सरकारी क्षेत्र एवं निजी क्षेत्र सम्मिलित हैं। अब संकेत मिल रहे हैं कि इसमें निश्चित रूप से 62,000 करोड़ का निवेश किया जाएगा और सर्वश्रेष्ठ प्रयास करके इसे लगभग 4,000 – 5,000 तक लाने का प्रयास किया जाएगा। इसका तात्पर्य यह है कि पहले 1½ अथवा 2 वर्ष या इसके आसपास की अवधि में मेरा मानना है कि लगभग 18,000 मेगावाट की स्थापना पहले ही कर ली जाएगी एवं निजी क्षेत्र जिसका वर्तमान योजना में लगभग 28 प्रतिशत का योगदान होने की संभावना है, विवेक सम्मत रूप से उत्कृष्ट निष्पादन कर रहा है, यह

वर्ष 2010 की तीसरी तिमाही के परिणाम। कांफ्रेंस कॉल

केवल केंद्रीय क्षेत्र की परियोजनाएं हैं जहां कुछ बिलंब है। इनमें एनटीपीसी और एनएचपीसी शामिल हैं और वे किसी कारण से हमारे प्रमुख ऋणग्राही नहीं हैं। इसलिए हम प्रभावित नहीं हैं।

श्री अरूण जैन: श्रीमान जी, मेरा तीसरा प्रश्न आपके कुछ ग्राहकों में से जैसे राज्य विद्युत बोर्ड से संबंधित है जहां विद्युत को लेकर उनकी कुछ समस्याएं हैं जैसे उनके पास समुचित वित्तीय व्यवस्था नहीं है या कभी-कभी उनके निर्णय राजनीतिक रूप से प्रभावित होते हैं। श्रीमान जी, क्या हम इस संबंध में कुछ नई पहल कर सकते हैं, और अब उनका व्यवहार कैसा है?

श्री सतनाम सिंह: ठीक है यदि आप विद्युत मंत्रालय की वेबसाइट पर नजर डालें तो आप इन आंकड़ों को देख सकते हैं, ये आंकड़े यह दर्शाते हैं कि राज्य के उपभोक्ताओं द्वारा केंद्रीय विद्युत उपभोक्ताओं की तुलना में अधिक भुगतान किया जाता है, आप पाएंगे कि पिछले 4½ से 5 वर्ष के दौरान राज्य के सभी उपभोक्ताओं द्वारा केंद्रीय उपभोक्ताओं की तुलना में 100 प्रतिशत भुगतान किया गया है चाहे यह पीएफसी, आरईसी, एनटीपीसी, एनएचपीसी, डीवीसी, जीआरआईडीसीओ क्यों न हो। आगे बढ़ने से पहले मैंने पुनर्गठित एसीडीआरपी योजनाओं का जिक्र किया था, यह इस योजना के अंतर्गत एटी एवं टी तथा वितरण संबंधित हानियों को 2 से 3 वर्ष के अंदर प्रभावी ढंग से कम करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मुझे आशा है कि यह योजना अपने उद्देश्य में सफल होगी और आय को संयोजित करेगी। इसलिए उनकी वित्तीय संभावनाएं दूरगामी हैं।

श्री अरूण जैन: श्रीमान जी, आपका धन्यवाद।

संचालक: श्री जैन आपको धन्यवाद। अगला प्रश्न डाइवा से आए श्री पुनीत श्रीवास्तव का है। कृपया आगे की कार्रवाई जारी रखें।

श्री पुनीत श्रीवास्तव: श्रीमान जी, नमस्कार। क्षमा करें मैं इस विवेकपूर्ण चर्चा में कुछ देर शामिल नहीं हो सका, मैं केवल एक स्पष्टीकरण चाहता हूँ कि यदि आरबीआई प्रारंभिक

रूप से नए दृष्टिकोण के साथ इस संबंध में कोई अनुदेश जारी करता है, क्या उनके द्वारा इसका कार्यभार संभालने का कोई विशेष कारण हो सकता है?

श्री सतनाम सिंह: इसका स्वत: कोई कारण नहीं है, जैसा आपको ज्ञात है कि भारतीय रिजर्व बैंक की पहल उन लोगों से है जिन्हें छूट प्राप्त है, वे उन्हें नियंत्रित करना चाहते हैं और हमें इसमें कोई समस्या नहीं है क्योंकि हमने उपराज्यपाल के साथ साझेदारी की है जिसके तहत यह निश्चय किया गया है कि देखते हैं कि भारतीय विद्युत क्षेत्र में क्या होता है। क्या इसकी क्षमता में उत्तरोत्तर वृद्धि निजी क्षेत्र द्वारा की जाती है। 11वीं पंचवर्षीय योजना में 28 प्रतिशत अगली योजना में 63 प्रतिशत और हम निजी क्षेत्र के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की शर्तों और मानकों का अनुपालन कर रहे हैं। इसलिए इस संबंध में कोई बड़ा मुद्दा सामने नहीं है क्योंकि हमारे मंजूरी भी यदि आप देखें तो पहली छमाही में 26 27 प्रतिशत निजी क्षेत्र के लिए थी और 9 माह की अवधि जिसके आंकड़े इसी रेंज में हैं उस दौरान भी इसमें विशेष अंतर देखने को नहीं मिला है। अत: निजी क्षेत्र के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की इन शर्तों को लेकर हमारे साथ कोई समस्या नहीं है। यह केवल राज्य क्षेत्र हैं जहां हमने काफी धनराशि उधार दी है जिसके लिए भारतीय रिजर्व बैंक यह कह रहा है कि इतनी अधिक उधारी राज्य क्षेत्र में क्यों की जा रही है। हमने भारत सरकार, विद्युत मंत्रालय, वित्त मंत्रालय, प्रधानमंत्री कार्यालय से भी इस संबंध में सहायता प्राप्त की है। मंत्री जी ने स्वयं इस बात का उल्लेख किया है कि हम उन मापदंडों का प्रयोग करते हैं तो भारत सरकार का सकल क्षमता मितव्ययता कार्यक्रम के दूरगामी परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। वे इस संबंध में कोई दृष्टिकोण व्यक्त करेंगे, वह प्रतिकूल होगा। मैं स्वयं को ठीक करूंगा कि पहले 9 माह में निजी क्षेत्र को की गई मंजूरियां लगभग 28 प्रतिशत हैं। यह केवल उसी रेंज में हैं, यद्यपि वर्तमान तिमाही में निजी क्षेत्र के लिए यह 46 प्रतिशत है, अत: जहां तक आपका संबंध है, निवेशकों का यह मानना है कि उनकी मंजूरियों का 46 प्रतिशत अंश भारतीय रिजर्व बैंक की शर्तों के कारण प्रभावित नहीं होता है। आगे चलकर यह आंकड़ा बढ़ सकता है और अस्थायी रूप से यह केवल राज्य क्षेत्र ही है जो प्रभावित हो सकता है परंतु बकाया मंजूरियों के लिए हम कुछ नहीं कर

सकते, उनमें ज्यादातर राज्य क्षेत्र के लिए हैं जो हम पहले ही कर चुके हैं। मुझे नहीं लगता है कि कोई व्यक्ति इस तरह से चुनौती दे सकता है कि नहीं, नहीं, नहीं, आप उन मंजूरियों को रद्द नहीं कर सकते हैं। यद्यपि, भारतीय रिजर्व बैंक इन मुद्दों को उठाता रहा है, परंतु हमारी वृद्धि दर ठीक है और मुझे पूर्ण विश्वास है कि हमारी वृद्धि दर भविष्य में भी स्थायी बनी रहेगी।

श्री पुनीत श्रीवास्तव: ठीक है श्रीमान जी, केवल एक और स्पष्टीकरण, भारतीय रिजर्व बैंक प्राथमिक रूप से यह कह रहा है कि नेटवर्क संबद्धता के लगभग 20-25 प्रतिशत अनुपालन के लिए होगा, क्या ठीक यही अनुपात राज्य विद्युत बोर्ड के लिए भी होगा?

श्री सतनाम सिंह: परंतु हम न तो विद्युत मंत्रालय और न ही वित्त मंत्रालय से सहमत हैं, अत: आरबीआई के अनुसार और जैसा मैंने आरंभिक टिप्पणियों में उल्लेख किया है कि आगामी बैठक 3 फरवरी को है और मैं आशा करता हूँ कि इसका समाधान हो जाएगा।

श्री पुनीत श्रीवास्तव: ठीक है श्रीमान जी, आपका बहुत बहुत धन्यवाद?

संचालक: श्री श्रीवास्तव आपका धन्यवाद। अगला प्रश्न ब्रिक्स सिक्युरिटीज से आए श्री अरूण कुमार का है। कृपया आगे की कार्रवाई जारी रखें।

श्री अरूण कुमार: नमस्कार श्रीमान जी, मेरे केवल दो प्रश्न हैं, एक एपीडीआरपी के भाग ख से संबंधित है कि इसके लिए स्वीकृतियां कब प्रारंभ होंगी एवं कब तक समाप्त होंगी और दूसरा प्रश्न यह है कि क्या वितरण के क्षेत्र में कोई ठोस परिवर्तन किया जाएगा, आपका वर्तमान वितरण बहुत कम है अत: वितरण में वृद्धि के लिए कौन कौन से ठोस कदम उठाए गए हैं?

श्री सतनाम सिंह: ठीक है, जहां तक हमारी एपीडीआरपी योजना के भाग क की स्वीकृतियों का संबंध है, इनके समापन के लिए 18 महीने की समयावधि निर्धारित है, परंतु भाग ख के संबंध में हम उपभोक्ताओं को परियोजनाएं तैयार करने के लिए अधिक अग्रिम की मांग करने के लिए कह रहे हैं क्योंकि हमारे पास किसी प्रकार का डेटा उपलब्ध नहीं है।

वर्ष 2010 की तीसरी तिमाही के परिणाम। कांफ्रेंस कॉल

मैं केवल यह जानना चाहता हूँ कि आधार लाइन डेटा स्थापित करने के लिए कौन कौन सी स्टेट ऑफ आर्ट प्रौद्योगिकियों का प्रयोग किया जाने वाले है ताकि यह पता लगाया जा सके कि कितनी हानि हुई है और किन तथ्यों को ध्यान में नहीं रखा गया है और किस संबंध में आप सहमत हैं, वहीं दूसरी ओर भाग क की क्या स्थिति है। भाग ख के लिए स्वीकृतियां प्रत्याशित हैं, इसी तिमाही में स्वीकृति प्रारंभ कर दी जाएंगी और यह अवधि लगभग 2 से 3 वर्ष या इसके समतुल्य होगी। अतः सकल योजना लगभग 4 वर्ष की समयावधि में पूरी होगी। आपके दूसरे प्रश्न का उत्तर, हां इससे ऋण परिसंपत्तियों में परिवर्तन होगा। वहीं दूसरी ओर वितरण के क्षेत्र में भी अधिक अवसर प्राप्त होंगे इसमें कोई दो राय नहीं है।

श्री अरूण कुमार: इसका सांकेतिक प्रतिशत क्या होगा?

श्री सतनाम सिंह: इस संबंध में मैं अभी कुछ कहने की स्थिति में नहीं हूँ कि उत्पादन एवं पारेषण इत्यादि के लिए कितनी स्वीकृतियां की जाएंगी, यह इसी बात पर निर्भर करता है। परंतु मैं दावे के साथ यह कह सकता हूँ कि यह निश्चित रूप से अधिक होगी।

श्री अरूण कुमार: धन्यवाद श्रीमान जी।

संचालक: श्री कुमार को धन्यवाद। हमारा अगला प्रश्न एक अनुवर्ती प्रश्न है जो टारस म्युचुअल्ल फंड से श्री जयप्रकाश ने किया है। कृपया आगे की कार्रवाई जारी रखें।
श्री जयप्रकाश: प्रारंभिक टिप्पणी में आपने अमेरिकी डालर 300 मिलियन की विदेशी योजना का जिक्र किया था क्या आप अभी उस पर प्रकाश डाल सकते हैं?

श्री सतनाम सिंह: आप क्या जानना चाहते हैं?

श्री जयप्रकाश: मेरा तात्पर्य यह है कि इसका समापन कब होगा और उस समय मौजूदा दरें किस प्रकार की होंगी?

वर्ष 2010 की तीसरी तिमाही के परिणाम। कांफ्रेंस कॉल

श्री सतनाम सिंह: दरों के संबंध में मैं अभी आपको कोई जानकारी नहीं दे सकता हूँ,-परंतु 300 मिलियन अमेरिकी डालर के लिए हम भारतीय स्टेट बैंक को नियुक्त करने वाले हैं। हम इस तिमाही में इसके संग्रह के लिए उनको स्वयं आदेश देने जा रहे हैं।

श्री जयप्रकाश: आपका धन्यवाद।

संचालक: श्री प्रकाश आपका धन्यवाद। श्री शाह आप कोई प्रश्न पूछना चाहते हैं या कोई टिप्पणी करना चाहते हैं? क्या आप भी प्रश्न पूछने वालों की कतार में शामिल होंगे?

श्री कुनाल शाह: हां, मैं केवल फॉरेक्स उधारी से संबंधित किसी परिवर्तन के बारे में जानना चाहता हूँ?

श्री सतनाम सिंह: यह 3 प्रतिशत के आसपास है, इस तिमाही में ज्यादा कुछ नहीं। जैसा आप जानते हैं कि पिछली तिमाही में हमने 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर की क्षतिपूर्ति की है अत: अब यह 2 प्रतिशत के स्तर पर है।

श्री कुनाल शाह: नहीं, कितना अधिक शामिल किया गया है एवं दूसरी तिमाही की तुलना में इसमें किसी प्रकार का परिवर्तन किया गया है या उसके समतुल्य है, के संबंध में जानना चाहता हूँ?

श्री सतनाम सिंह: दूसरी तिमाही के बाद कोई निष्पादन नहीं किया गया है मुझे केवल भुगतान के संबंध में जानकारी है और इसलिए कि परिसंपत्ति के मद में वृद्धि हुई है और तदनुसार देनदारियां भी बढ़ी हैं; प्रतिशत घटा है और अब सकल देनदारियां 2 प्रतिशत के स्तर पर हैं।

श्री कुनाल शाह: एवं यह 23,000 जिसका आपने उल्लेख किया है, क्या यह उधारी से संबंधित है अथवा भुगतान से?

वर्ष 2010 की तीसरी तिमाही के परिणाम। कांफ्रेंस कॉल

श्री सतनाम सिंह: यह समझौता ज्ञापन के अनुसार हमारा आईएनआर 23,000 करोड़ मूल भुगतान लक्ष्य है।

श्री कुनाल शाह: और हम यह दावा करते हैं कि कमोवेश आईएनआर 21,000 करोड़ किया जा सकेगा।

श्री सतनाम सिंह: नहीं, वहां मैंने आईएनआर 23,000 करोड होने का जिक्र किया था, मैंने कहा था कि हमें आईएनआर 21,000 से 22,000 के क्रम में संशाधन संग्रह करना होगा, मैंने इतने अधिक भुगतान के बारे में कुछ नहीं कहा।

श्री कुनाल शाह: समान रूप से विचार करते हुए हम वर्ष के अंत में पहुंच गए हैं, क्या हम वैसे ही लक्ष्यों के बारे में सुन रहे हैं जिनका विश्वास के साथ हमने उल्लेख किया था और यह कहा था कि क्या हम इन लक्ष्यों को पूरा करने की स्थिति में हैं?

श्री सतनाम सिंह: मैं इस संबंध में पूर्णतः निश्चित हूँ कि हम लक्ष्य को प्राप्त करेंगे, मुझसे यह प्रश्न न किया जाए कि हम कितना अधिक लक्ष्य प्राप्त करेंगे क्योंकि मैं इस बात का उल्लेख नहीं करना चाहता हूँ।

श्री कुनाल शाह: आपकी नकदी की वृद्धि संबंधी लागत कितनी अधिक होगी? हमने इसे इत तिमाही में 30 आधार बिंदुओं से नीचे आते हुए देखा है।

श्री सतनाम सिंह: इस तिमाही में हमने 30 आधार बिंदुओं की तुलना में 70 आधार बिंदुओं की कमी की है।

श्री कुनाल शाह: तिमाही दर तिमाही आधार पर इसकी क्या स्थिति है?

श्री सतनाम सिंह: तिमाही दर तिमाही हमने 70 आधार बिंदु की कमी है। वित्त वर्ष 2009, वित्त वर्ष 2010 की तीसरी तिमाही में वर्ष दर वर्ष तीसरी तिमाही का तात्पर्य नौ माह की अवधि से है और इस दौरान 24 आधार बिंदुओं की कमी हुई है और हमारी

वर्ष 2010 की तीसरी तिमाही के परिणाम। कांफ्रेंस कॉल

इनस्विंग उधारी 300 मिलियन अमेरिकी डॉलर सहित वर्तमान तिमाही में और भी कम होगी।

श्री कुनाल शाह: एक अन्य प्रश्न, वृद्धि की दृष्टि से 8.6 या 8.58 जिसमें हम लगातार गिरावट देख रहे हैं, उसकी तुलना में हमारी निम्नतर लागत पर उधारी क्या है?

श्री सतनाम सिंह: हां, वास्तव में, किसी कारण से यह गिरावट देखने को मिल रही है।

श्री कुनाल शाह: वृद्धि संबंधी लागत अब क्या है, हम किस दर पर उधार ले रहे हैं?

श्री सतनाम सिंह: तीसरी तिमाही के लिए यह 8.75 है और कुल नौ माह की अवधि के लिए 8.54।

संचालक: श्री शाह आपको धन्यवाद। अगला अनुवर्ती प्रश्न रिलायंस म्युचुअल फंड से श्रेय लूंकर का है। कृपया आगे कार्रवाई जारी रखें।

श्री श्रेय लूंकर: मैं केवल एक बात जानना चाहता हूँ कि आप बैंको के विद्युत क्षेत्र में प्रवेश को किस तरह से देखते हैं, क्या हम उन्हें अच्छा कार्य करते हुए देखना चाहते हैं, जब यह जोखिम मूल्यों पर हो रहा है या आप उनको अधिक आक्रामक होते हुए देखते हैं, माना कि उनकी व्यवस्थात्क उधार प्रक्रिया हमसे कमजोर है?

श्री सतनाम सिंह: जैसा आप जानते हैं कि विद्युत क्षेत्र में अवसरों की अपार संभावना है यहां तक कि जब यह मूल्य योजना बनाई गई थी तो इस बात के संकेत दिए गए थे कि 11वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान ही यह कुल कोष मांग का लगभग 39 – 40 प्रतिशत होगा और इसके परिणामस्वरूप अपर्याप्तता की स्थिति निर्मित हो सकती है। अतः बैंकों द्वारा अतिरिक्त प्रलोभन देने से हमारा कारोबार प्रभावित नहीं होने वाला है और शेष / विशिष्ट स्वीकृतियां इसका संकेत हैं। इसलिए बैंक चाहे किसी भी मार्ग का चयन करें अथवा वे कितने भी आक्रामक हों, जहां तक हमारे कारोबार का प्रश्न है उनसे यह प्रभावित

वर्ष 2010 की तीसरी तिमाही के परिणाम। कांफ्रेंस कॉल

नहीं होगा; फिर भी मैं आपको यह बताना चाहूँगा कि बैंकरों द्वारा बीएएसईएल-II मानकों का अनुपालन प्रत्याशित है, जहां सरकारी विद्युत कंपनियों द्वारा नई परियोजनाएं की जा रही हैं उन्हें 150 प्रतिशत जोखिम भार का विकल्प चुनना होगा एवं इसलिए जोखिम का प्रकार जो बैंकर जो इन कंपनियों को प्रस्तावित करेंगे हो सकता है कि हमसे कम हो। अतः हम अपने कारोबार लक्ष्यों को सफलतापूर्वक प्राप्त करने में सक्षम होंगे।

श्री श्रेय लूंकर: परंतु मैं केवल एक बात जानना चाहता हूँ कि यदि आप निजी क्षेत्रों में वित्त पोषण करने जा रहे हैं तो क्या लाभ में कोई अंतर होगा; माना कि इनमें से कुछ संगठन (सहकारी), निजी क्षेत्र के ऋणग्राहियों के लिए बीएएसआईएल-II मानक लागू होंगे, यह बैंकिंग परिदृश्य की दृष्टि से सहायक होगा।

श्री सतनाम सिंह: ठीक है, जहां तक हमारा संबंध है, हमारी सीमाएं निजी क्षेत्र के ऋणग्राहियों के मामले में थोड़ा अधिक हैं परंतु वास्तव में यह इस बात पर निर्भर करता है कि किस प्रकार के प्रमोटर निजी क्षेत्र की परियोजनाओं का अधिग्रहण करते हैं। यदि वे हमारी प्रथम दो श्रेणियों में आते हैं तो निश्चित रूप से हमारा अंतर कम होगा। अभी तक हमारे पास 6 श्रेणियां है, ज्यादातर कर्जदार 3 एवं 4 श्रेणियों में आते हैं एवं श्रेणी 5 में उनकी संख्या बहुत कम है, श्रेणी 6 के लिए वास्तव में हम वित्त पोषण नहीं करते हैं, यदि बहुसंख्यक लोग पहली अथवा दूसरी श्रेणी में आते हैं तो भी केवल अंतर प्रभावित होगा अन्यथा अंतर यथावत रहने वाला है।

श्री श्रेय लूंकर: कुछ समय पहले एक मीडिया रिपोर्ट आई थी कि पीएफपी, आरईसी को खुदरा पावर बांड तक पहुंच प्रदान करते हुए खुदरा पावर बांड जारी करने के लिए एक योजना तैयार की गई है, इस पर विभिन्न सरकारी समूहों पर विचार किया जा रहा है। मेरा तात्पर्य यह है कि क्या आप इस संबंध में कोई किसी प्रकार की हलचल देख रहे हैं, क्या आपको ऐसी किसी योजना की संभावना प्रतीत होती है। माना कि और जैसा आपने कहा है कि इस क्षेत्र में अपार अवसर हैं एवं स्पष्ट रूप से यह देनदारी पक्ष से संबंधित है इसलिए लगभग प्रत्येक सम्मेलन के दौरान इस पर चर्चा अवश्य की जाती है...

वर्ष 2010 की तीसरी तिमाही के परिणाम। कांफ्रेंस कॉल

श्री सतनाम सिंह: वह हमारी इच्छा सूची शामिल है, अत: हम निश्चित रूप से इसकी संभावना महसूस करते हैं। परंतु मैं इस प्रश्न का उत्तर नहीं दे सकता हूँ कि क्या इसे लागू किया जाएगा अथवा नहीं, इसके हो जाने की संभावना क्या है, यह तो केवल वित्त मंत्रालय ही बता सकता है।

श्री श्रेय लूंकर: निश्चित ही, परंतु मैं वित्त पोषण के संबंध में एक बात और जानना चाहता हूँ, जब पिछले अंतरिम बजट में साथ ले चलने की वित्त पोषण योजना घोषित की गई थी तब इस बात पर बहस चली थी कि वित्त पोषण का यहां तक कि पीएफसी, आरईसी या किसी सीमा तक वाणिज्य बैंकों से आगे भी विस्तार किया जाएगा। यद्यपि हम इसकी मांग नहीं करते हैं परंतु क्या उसके पश्चात इस संबंध में कोई विचार किया गया है। क्या बाद में उनका कोई नवीनीकरण हुआ है?

श्री सतनाम सिंह: इस समय कुछ नहीं।

श्री श्रेय लूंकर: धन्यवाद। यहीं मैं अपनी वाणी को विराम देता हूँ।

श्री सतनाम सिंह: धन्यवाद।

संचालक: धन्यवाद श्री लूंकर।

श्री कुनाल शाह: श्रीमान जी... केवल विनिवेश के संबंध में सरकार के पास 90 प्रतिशत की शेयर धारिता है, अत: उस पर अगले एक वर्ष और इतनी समयावधि में किसी प्रकार का लाभ पीएफसी जैसे संगठन को मिल सकता है?

श्री सतनाम सिंह: पूंजी पर्याप्तता उच्च स्तर पर है और इसके आगे भी जारी रहने की उम्मीद है। इस कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक होने के नाते मैं नहीं कहूँगा कि इसमें वृद्धि नहीं होनी चाहिए क्योंकि ऐसी स्थिति में मैं लाभ की समान दर बनाए रखने

में सफल नहीं रहूँगा। जैसे कि मैं आज अपने इक्विटी धारकों को प्रस्तावित करने में सक्षम हूँ, परंतु सरकार की शेयर धारिता 89.78 प्रतिशत हो सकने के संकेत मिल रहे हैं परंतु यह ज्ञात नहीं है कि इस प्रकार का विनिवेश कब तक किया जाएगा इसलिए मैं आपसे जानना चाहता हूँ कि यदि ऐसा कोई प्रस्ताव आपके संज्ञान में आया हो तो कृपया इसकी जानकारी हमें दें।

श्री कुनाल शाह: मैं केवल इस बात का स्पष्टीकरण कर रहा हूँ, मैं भी इस बात से सहमत हूँ कि ऐसा कुछ भी घटित नहीं होने वाला है।
श्री सतनाम सिंह: कुछ नहीं। हम बता नहीं सकते, मीडिया साथियों में से कुछ ने विवरण दिया परंतु अब हमारा नाम उसमें अंकित नहीं है।

श्री कुनाल शाह: श्रीमान जी, आपका धन्यवाद।

संचालक: चूंकि अब आगे कोई प्रश्न नहीं किया गया है, अत: अब मैं प्रबंधन को इसके समापन के लिए समाप्ति की घोषणा करने और धन्यवाद ज्ञापित करने के लिए आमंत्रित करता हूँ।

श्री सतनाम सिंह: धन्यवाद। आप सभी को इतनी बड़ी संख्या में उपस्थित होने अति उत्साही प्रश्न पूछने के लिए धन्यवाद। यहां की गई चर्चा हमारे प्रयासों में सुधार करने में सहायक होंगे। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

संचालक: ऐडिलवीस सिक्युरिटीज की ओर से प्रत्योजित इस सम्मेलन में उपस्थित होने के लिए आप सभी धन्यवाद। अब आप अपनी लाइनों को बंद कर सकते हैं।

वर्ष 2010 की तीसरी तिमाही के परिणाम। कांफ्रेंस कॉल

अस्वीकारोक्ति

यह दस्तावेज ऐडिलवीस सिक्युरिटीज, मुबंई (भारत) ने तैयार किया है। इसका आशय प्राप्तकर्ताओं द्वारा केवल एक सूचना अथवा संदर्भ के रूप में किया जाना है। यह प्रचार-प्रसार के लिए नहीं है। ऐडिलवीस, इसकी धारक कंपनियां पूरी सेवा, निवेश बैंकिंग, विभाग प्रबंधन एवं दलाली समूह इस दस्तावेजों को प्रयोग संदर्भ ग्रंथ के रूप में कर सकते हैं। यह दस्तावेज एक प्रस्ताव या विनती, क्रय या विक्रय के किसी वित्तीय उपकरण या कार्यालयी संपुष्टि, किसी प्रकार के लेन देन के लिए कोई प्रस्ताव या अनुरोध स्थापित नहीं करता है। दस्तावेज में यह सूचना हमारे वित्त विश्लेषकों का अपना प्रस्तुतीकरण और अपने विचार हैं इनका ऐडिलवीस के दृष्टिकोण से कोई लेना देना नहीं है। कार्यक्रम ट्रांसक्रिप्ट एक लिखित प्रयुक्त कंपनी का कांफ्रेंस कॉल संबंधी प्रस्तुतीकरण है और यह एक सटीक ट्रांसक्रिप्ट उपलब्ध कराने के लिए किया गया एक प्रयत्न है। इसमें तथ्य संबंधी अशुद्धियां हो सकती हैं, हो सकता है इसमें कुछ बातों का लोप हो या कुछ बातें सटीक न लगें क्योंकि यह कांफ्रेंस कॉल के दौरान की गई चर्चा की संक्षिप्त रिपोर्टिंग है। ऐडिलवीस या इसकी सहायक / संबद्ध कंपनियां किसी भी रूप में किसी प्रकार की हानि या क्षति जो भी असावधानीवश या भूलवश इस दस्तावेज में निहित सूचना से किसी व्यक्ति को हो सकती है के लिए उत्तरदायी नहीं होंगे। इस सूचना के किसी प्रयोग का संपूर्ण जोखिम प्रयोगकर्ता वहन करेगा। कांफ्रेंस कॉल का कार्यक्रम ट्रांसक्रिप्ट पर आधारित है। कंपनियां वस्तुओं का या एक प्रकार से अन्य भविष्यवाणियां का मूल्यांकन कर सकती हैं। इस प्रकार की दूरदर्शिता, अभिव्यक्ति वर्तमान अपेक्षाओं पर आधारित हैं एवं इसमें जोखिम एवं अनिश्चिताएं शामिल हैं। महत्वपूर्ण तथ्यों की संख्या पर आधारित किसी दूरदृष्टिपरक वक्तव्य में जो बात कही गई है से वास्तविक परिणाम भौतिक रूप से भिन्न हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कारकों से कंपनी का परिचालन प्रभावित हो सकता है। मैं अन्य लोगों में सम्मलित हूँ। आर्थिक दशाएं जो घरेलू एवं विदेशी बाजार में कंपनी के परिचालन को प्रभावित करती हैं। सरकारी विनियमों, कर विधियों और अन्य संविधियों और अनुसंगी

घटकों में परिवर्तन इस संबंध में विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। यहां निहित सूचना यथा संदर्भित तारीख की हैं और एडेलवीस इन विवरणों को अद्यतन करने के लिए किसी प्रकार की वचनबद्धता को स्वीकार नहीं करता है। इस दस्तावेज में उल्लिखित प्रतिभूतियों में ऐडिलवीस और/या इसके निदेशक एवं/या कर्मचारियों का अपना हित अथवा स्थितियां, वित्तीय अथवा अन्यथा निहित हो सकती हैं।